सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– 329
18/04/2017

मोतिहारी में एक हजार लोगों की क्षमता वाले 'गॉधी स्मृति नगर भवन' का निर्माण किया जायेगा मुख्यमंत्री

पटना, 18 अप्रैल 2017 :– आज मोतिहारी के गॉधी मैदान में चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह के अवसर पर आयोजित चम्पारण स्मृति समारोह का मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गॉधी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। आयोजित समारोह को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक दिन है। सौ साल पहले गॉधी जी राजकुमार शुक्ल के निमंत्रण पर चम्पारण आये थे। 15 अप्रैल 1917 को गॉधी जी मोतिहारी पहुॅचे थे। यहॉ पहुॅचने पर उन्हें जानकारी मिली कि जशौलीपट्टी में किसानों के साथ जूल्म हुआ है। गॉधी जी ने निर्णय लिया कि अगले दिन जशौलीपट्टी जायेंगे। 16 अप्रैल को गॉधी जी जशौलीपट्टी के लिये चल पड़े। रास्ते में चंद्रहिया में गॉधी जी को नोटिस थमा दिया गया कि चम्पारण छोड़ दीजिये। उसी की स्मृति में स्मृति यात्रा निकाली गयी थी। स्मृति यात्रा में बहुत सारे लोग शामिल हुये। यात्रा में लोग पूरी भावना के साथ शामिल हुये। आज का दिन 18 अप्रैल काफी महत्वपूर्ण है। जब 16 अप्रैल को चंद्रहिया में गॉधी जी को नाटिस थमा दिया गया था तो वे मोतिहारी वापस लौट गये थे। 18 अप्रैल को सब डिविजनल कोर्ट में उनकी पेशी थी। कोर्ट में जो वक्तव्य गॉधी जी ने दिया, वह ऐतिहासिक है। उसी से चम्पारण सत्याग्रह की नींव रखी गयी थी। आज का दिन ऐतिहासिक दिन है। 18 अप्रैल को ही कोर्ट में गॉधी जी ने मजिस्ट्रेट के सामने साफ–साफ कहा था कि मेरा कोई वकील नहीं है। मुझे एक सिर्फ वक्तव्य कहना है, उस वक्तव्य में ही सब कुछ था। गॉधी जी ने अपने वक्तव्य में कहा था कि आपने जो मुझे नोटिस दिया है, मैंने उसका उल्लंघन किया। आपको जो सजा देना है, दें। मैं यहॉ लोगों के बुलाने पर आया हूॅ, उनकी स्थिति का आकलन करने के लिये नीलहों एवं किसानों पर जो अत्याचार हो रहा है, उसे खुद देखना चाहता हूॅ ताकि उनकी मदद कर सकें, उनकी सहायता कर सकूॅ। मेरे आने से शांति को खतरा नहीं है। मेरा इरादा कानून का उल्लंघन करने का नहीं है। अब जब लोगों के बुलाने पर आ गया हूॅ तो इस स्थान को छोड़कर नहीं जाऊॅगा। गॉधी जी के वक्तव्य से पूरा अंग्रेजी शासन हिल गया। गॉधी जी का यही वक्तव्य सत्याग्रह का मूल सिद्धांत है, जो अंतर्रात्मा से लगे, उस पर दृढ़ रहना चाहिये, चाहे इसके लिये कुछ भी क्यों न झेलना पड़े। बापू ने भी यही किया। मजिस्ट्रेट कोर्ट में जमानत नहीं लिया। मजिस्ट्रेट ने खुद ही मुचलका भरा और कहा कि 21 अप्रैल को मामले में फैसला करेंगे। ऊपर तक अंग्रेजी सरकार में तहलका मच गया। 20 अप्रैल को लेफ्टिनेंट गवर्नर की सरकार ने मुकदमा उठाने का फैसला किया। चम्पारण सत्याग्रह में आयी पहली बाधा समाप्त हो गयी। इसके बाद अंग्रेजी शासन को झुकना पड़ा। अंग्रेजी शासन ने स्थिति के आकलन के लिये एक कमिटी का गठन किया गया, जिसमें गॉधी जी को भी इसमें सदस्य बनाया गया था। कमिटी के सामने हजारो लोगों ने अपना बयान दर्ज कराया। लोगों द्वारा दर्ज कराया गया बयान साक्ष्य के रूप में लिया गया। अंग्रेजों को झुकना पड़ा। तीनकठिया व्यवस्था समाप्त हुयी। किसानों पर लगाये गये अनेक प्रकार के कर को समाप्त किया गया। चम्पारण से गॉधी जी ने सत्याग्रह का आगाज किया। चम्पारण सत्याग्रह ने आजादी की लड़ाई को नई दिशा दी। गॉधी जी की चम्पारण सत्याग्रह समाप्त हुयी, जिससे लोगों को न्याय मिला। इसका प्रभाव देश के अन्य जगहों पर पड़ा। इसके बाद एक–एक कर कई आन्दोलन हुये। 1942 में

गॉधी जी ने भारत छोड़ो आन्दोलन की शुरूआत की। 1947 में हमारा देश आजाद हो गया। चम्पारण सत्याग्रह आजादी की लड़ाई को नई दिशा दिया। आजादी की लड़ाई अब जन आन्दोलन में परिवर्तित हो गयी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चम्पारण सत्याग्रह के अवसर पर पूरे साल कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। 10 एवं 11 अप्रैल 2017 को पटना में गॉधी जी के विचारों पर राष्ट्रीय विमर्श का आयोजन किया गया था। आज के परिप्रेक्ष्य में क्या करना चाहिये, इस पर चर्चा की गयी। गॉधी जी 10 अप्रैल को ही पटना आये थे। पटना के बाद गॉधी जी मुजफ्फरपुर गये थे, जहॉ पर प्लांटेशन एसोसिएशन के सेक्रेटरी से उनकी मुलाकात हुयी थी। उसका भी मंचन किया गया। हम फिर से लोगों के मन में चम्पारण सत्याग्रह को जिन्दा रखना चाहते हैं। सौ साल पहले क्या हुआ, लोगों को यह जानना चाहिये। कल 17 अप्रैल को पटना में देश भर के स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित किया गया। हमने सारे राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया था। कार्यक्रम में महामहिम राष्ट्रपति पधारे थे। हमने गृह मंत्री को भी आमंत्रित किया था। स्वतंत्रता सेनानी सम्मान योजना गृह मंत्रालय द्वारा चलाया जाता है। मेरे आमंत्रण के बावजूद बहुत सारे राजनीतिक दल इसमें हिस्सा नहीं लिये। हमारी उनसे कोई शिकायत नहीं है। गॉधी जी का भी यही विचार था। हम तो गॉधी जी के विचारों से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई लड़ने वालों का सम्मान समारोह था, इसे किसी और तरह से नहीं देखा जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि स्मृति यात्रा और स्मृति समारोह में आप सब इतनी बड़ी संख्या में आये, मैं आप सबों का अभिनंदन करता हूॅ। उन्होंने कहा कि बापू के विचारों को जमीन पर उतारने की कोशिश की जायेगी। गॉधी जी ने चम्पारण सत्याग्रह के दौरान एवं उसके बाद इस क्षेत्र की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के लिये भी काम किया। उन्होंने कस्तुरबा गॉधी तथा अपने पुत्रों के साथ–साथ गुजरात के शिक्षकों को यहॉ बुलवाया। गॉधी जी ने पहला स्कूल बड़हरवा में खोला था। हम वहॉ गये हैं, स्कूल को देखे हैं। उन्होंने कहा कि गॉधी जी का जो संदेश है, उसे जमीन पर उतारना है। गॉधी जी के विचारों से प्रेरित होकर ही हमने बिहार में बहुत काम किये हैं। नारी सशक्तिकरण को बल दिया गया है। पहले आधी आबादी की क्षमता का उपयोग नहीं होता था। हमने महिलाओं के लिये शिक्षा, आरक्षण, ग्रामीण स्तर पर महिलाओं के लिये जीविका समूह का गठन किया। अब महिलायें बहुत कुछ सीख रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में जो कुछ हो रहा है, वह बापू के सपनों को साकार करने की कोशिश है। चाहे महिला को सशक्त करना हो या शराबबंदी से नशामुक्ति की ओर बढ़ना हो। उन्होंने कहा कि शराबबंदी से नशामुक्ति अभियान के क्रम में 21 जनवरी को मानव श्रृंखला बनाने का आह्वान किया था। कानून से अकेले सिर्फ काम नहीं हो सकता है। कानून के साथ–साथ जन चेतना भी जरूरी है। मानव श्रृंखला में चार करोड़ लोगों ने भाग लिया, ऐसा उदाहरण दुनिया में कहीं नहीं है। मानव श्रृंखला में लोगों की भागीदारी जन भावना जो शराबबंदी एवं नशामुक्ति के पक्ष में है, उसी का प्रकटीकरण है। यह सब बापू को समर्पित है। चम्पारण सत्याग्रह के सौंवे साल एवं गुरू गोविंद सिंह जी महाराज का 350वें प्रकाश पर्व इसी साल है इसलिये इस समय को चुना गया है। शराबबंदी बिहार में सफलतापूर्वक लागू हो रहा है। कुछ लोग इधर–उधर करते रहते हैं। उन सब पर नजर रखियेगा क्योंकि सावधानी हटी तो दुर्घटना घटी। प्रशासन एवं पुलिस की ओर से भी नजर रखी जा रही है। जो गड़बड़ करेगा, हम उसे बख्शेंगे नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देश भर में शराबबंदी की मॉग हो रही है। 2019 में गॉधी जी के जन्म का डेढ़ सौंवा साल मनाया जायेगा। यही सबसे अच्छा अवसर है कि पूरे देश में शराबबंदी लागू हो। इससे पूरे देश की तकदीर बदलेगी। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों के बारे में कहा जाता था कि वहॉ शराब के बिना लोगों का काम नहीं चलेगा, जैसे कि गोवा वहॉ भी आयोजित सर्वे तथा समाचार पत्रों में यह बात प्रकाशित हुयी थी कि जिस परिवार में मर्द शराब पीने के आदी हैं, उस परिवार की महिलाओं में डिप्रेशन की शिकायत सबसे ज्यादा है। उन्होंने कहा कि बहुत लोग अलग से भी कार्यक्रम चला रहे हैं। केन्द्र सरकार के बहुत सारे मंत्री आते रहते हैं। हम उनसे यही कहेंगे कि वे भी अपने राज्य में शराबबंदी लागू करें। उन्होंने कहा कि शराबबंदी के साथ–साथ अन्य सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ भी अभियान चलायेंगे। बाल विवाह के खिलाफ

अभियान चलेगा। बाल विवाह से बहुत सारी समस्यायें जुड़ी हुयी है। इसी में है दूसरा दहेज प्रथा। उन्होंने कहा कि शराबबंदी, नशामुक्ति, बाल विवाह, दहेज प्रथा के खिलाफ सशक्त अभियान चलेगा। मैं जीविका की सभी दीदीयों से अपील करता हूॅ कि आप सभी इस अभियान में साथ दें, यही बापू का संदेश है कि हम अगर समाज के कुरीतियों के खिलाफ लड़ते रहेंगे तो समाज सुधरेगा, यह हमारा दायित्व भी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम गॉधी जी के विचारों को जन–जन तक पहुॅचायेंगे। स्कूलों में गॉधी जी से संबंधित कथावाचन किया जायेगा। हर गॉव, हर टोला में गॉधी रथ जायेगा, इसके माध्यम से गॉधी जी से जुड़े संबंधित फिल्म एवं गीत का प्रदर्शन किया जायेगा। साथ ही बापू तेरे द्वार के साथ घर–घर पर दस्तक देंगे। लोगों को गॉधी जी के विचारधारा से अवगत करायेंगे। साल भर कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी का दस प्रतिशत भी गॉधी जी के विचारों के प्रति आकर्षित हो जाय तो दस से पन्द्रह साल में समाज बदल जायेगा। आप सबों का सहयोग चाहिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम चम्पारण में संकल्प लेते हैं कि अगले चार साल के अंदर सात निश्चय कार्यक्रम के तहत हर घर नल का जल, हर घर शौचालय, हर घर बिजली कनेक्शन, हर गॉव में पक्की गली–नाली का काम पूरा कर लेंगे। इसके साथ–साथ युवाओं के लिये भी योजना लायी गयी है। महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि सात निश्चय योजना के तहत चार निश्चय को जन–जन तक पहुॅचाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बापू के चम्पारण सत्याग्रह के सौंवे साल में हमारा लक्ष्य है कि एक साल के अंदर पूरे चम्पारण को खुले में शौच से मुक्त करा दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि गॉधी जी के छह प्रमुख विद्यालय थे। इन छह बुनियादी विद्यालयों का जीर्णोद्वार किया जायेगा। साथ ही चम्पारण सत्याग्रह से जुड़े सभी स्थलों पर पार्क एवं स्मारक का निर्माण किया जायेगा। आज ही गॉधी संग्रहालय में उसके विस्तार के लिये योजनाओं का शिलान्यास किया गया है। दो करोड़ 22 लाख रूपये की लागत से ऑडिटोरियम और गेस्ट हाउस का निर्माण किया जायेगा। साथ ही 50 लाख रूपये की लागत से पार्क का निर्माण किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोतिहारी में मोतीझील का काफी महत्व है। मोतीझील का जीर्णोद्धार किया जायेगा, इसके लिये नेशनल लेक कंजरवेशन प्लान के तहत केन्द्र सरकार को प्रस्ताव भेज दिया गया है। योजना स्वीकृत होते ही जीर्णोद्धार का कार्य शुरू कर दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि मोतिहारी में नगर भवन नहीं है इसलिये निर्णय लिया गया है कि मोतिहारी में एक हजार लोगों की क्षमता वाले 'गॉधी स्मृति नगर भवन' का निर्माण किया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी का सहयोग चाहिये। बहुत लोग बहुत तरह के आयोजन कर रहे हैं। हमने देखा कि किसान कुंभ का आयोजन किया जा रहा है। हम यही चाहेंगे और उम्मीद करेंगे कि किसानों को किया हुआ वादा पूरा कर दीजिये। 2014 में किसानों से वादा किया गया था कि न्यूनतम समर्थन मूल्य लागत पर पचास प्रतिशत मुनाफा जोड़कर निर्धारित किया जायेगा। हम उम्मीद करते हैं कि कुंभ के अवसर पर इसे लागू कर दिया जाय। मुख्यमंत्री ने कहा कि गॉधी जी ने कहा था कि जो बोलो, वो करो। हम जो बोलते हैं, वह करते हैं। चम्पारण सत्याग्रह के सौंवे साल के अवसर पर दूसरे लोग भी इस सिद्धांत को अपनायें एवं पालन करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा लक्ष्य सिर्फ विकास नहीं है, न्याय के साथ विकास है। गॉधी जी ने कहा था कि विकास का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को मिलना चाहिये। इसी सिद्धांत पर हमने नीतियों का सूत्रण किया है। उन्होंने कहा कि समाज में प्रेम, भाईचारा, सद्भाव का संदेश बापू ने दिया था। आप उसका पालन कीजिये। गॉधी जी ने कहा था कि पृथ्वी में इतनी शक्ति है कि इन्सान की जरूरतों की पूर्ति हो जायेगी, लालच की पूर्ति नहीं हो सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आवश्यकता के अनुरूप ही किसी चीज का उपयोग कीजिये। उन्होंने कहा कि सभी लोग संकल्प लीजिये कि गॉधी जी के विचार एवं उनके सपनों को साकार करने के लिये अपना सर्वस्व न्योछावर करेंगे।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि गॉधी जी की विचारधारा आज भी प्रासंगिक हैं। आगे बढ़ने के लिये गॉधीवादी एवं समाजवादी विचारधारा जरूरी है। 2019 में एक बिहारी ही देश की दिशा तय करेगा। युवाओं को मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार से सीखना

चाहिये। इस अवसर पर मोतिहारी जिला के प्रभारी मंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ0 मदन मोहन झा, पूर्व मंत्री एवं गॉधीवादी श्री ब्रजकिशोर बाबू, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह ने भी समारोह को संबोधित किया। आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव सहित अन्य गणमान्य अतिथियों को जिला प्रशासन की तरफ से अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिह्न भेंट किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा कैलेण्डर, टेबल कैलेण्डर एवं स्पेशल डे कवर (विशेष आवरण) का लोकार्पण किया गया। साथ ही मुख्यमंत्री ने चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह के बसों जो गॉधी सर्किट के विभिन्न स्थानों पर जायेंगे, को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आयोजित कार्यक्रम में गॉधी जी की मोतिहारी में यात्रा एवं उससे जुड़े घटनाक्रम का नाट्य रूपांतरण पेश किया गया।

इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी श्री नारायण मुनी, विधायक श्री राजेन्द्र कुमार राम, विधायक श्री राजेश कुमार, विधायक श्री शमीम अहमद, विधायक श्री फैसल रहमान, विधायक श्री विनय वर्मा, विधान पार्षद श्री सतीश कुमार, पूर्व विधायक श्री महेश्वर सिंह, पूर्व विधायक श्री शिवाजी राय, पूर्व विधायक रजिया खातुन, पूर्व विधायक श्री लक्ष्मीनारायण यादव, जदयू, राजद एवं कॉग्रेस के मोतिहारी जिला के जिलाध्यक्ष, प्रधान सचिव नगर विकास एवं आवस श्री चैतन्य प्रसाद, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चन्द्रा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, आयुक्त तिरहुत प्रमण्डल श्री अतुल प्रसाद, पुलिस महानीरीक्षक मुजफ्फरपुर, जीविका के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी श्री बाला मुरूगन डी0 सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह के पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने गॉधी स्मारक एवं संग्रहालय मोतिहारी का भ्रमण किया। मुख्यमंत्री ने गॉधी स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। साथ ही दो करोड़ 22 लाख रूपये की लागत से बनने वाली ऑडिटोरियम सह गेस्ट हाउस एवं पचास लाख रूपये की लागत से बनने वाले पार्क एवं अन्य सौंदर्यीकरण योजनाओं का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने गॉधी संग्रहालय में अतिथि पंजी पर अपने सुझाव लिखे।

******